

रॉबर्ट वानॉय, भविष्यवाणी की नींव, व्याख्यान 2

भविष्यवाणी संबंधी जागरूकता और पैगंबरों का इतिहास

सी. 3. पैगंबर के अपने शब्द और भगवान के शब्द के बीच एक अंतर है जो उन्होंने कहा था

मैंने सी. 3 पर एक टिप्पणी की। "भविष्यवक्ता के अपने शब्द और उनके द्वारा कहे गए ईश्वर के शब्द के बीच अंतर है।" जैसा कि मैंने पहले ही उल्लेख किया है, भविष्यवक्ता को अपने विचारों या विचारों या अंतर्दृष्टि की घोषणा नहीं करनी थी, उसे ईश्वर के वचन की घोषणा करनी थी। मैं यहां जो कह रहा हूं वह यह है कि भविष्यवक्ता अपने शब्दों और भगवान के शब्दों के बीच अंतर कर सकता है। मुझे लगता है कि जब हम इस भविष्यवाणी समारोह से गुजर रहे हैं तो उस अंतर के बारे में स्पष्ट होना बहुत महत्वपूर्ण है। यह कहना मान्य नहीं है कि भविष्यवक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए और वे विचार ईश्वर के शब्द के रूप में कार्य करते थे। यह बिल्कुल अलग निर्माण है। मुझे लगता है कि यह तब स्पष्ट हो जाता है जब हम कुछ अंशों को देखते हैं जहां पैगंबर के अपने विचारों और ईश्वर द्वारा उन्हें दिए गए संदेश के बीच अंतर किया जाता है। पैगम्बर उस भेद से अवगत थे।

तो, यह सच है कि दिव्य शब्द मानव उपकरण के माध्यम से, पैगंबर के माध्यम से दिया जाता है, और भगवान अपने शब्द की उद्घोषणा में पैगंबर की अपनी व्यक्तिगत विशेषताओं, पृष्ठभूमि, स्वभाव, सोचने के तरीके, उन सभी प्रकार की विविधताओं को अपनाते हैं। जबकि यह सच है, दैवीय प्रेरणा की प्रकृति के एक जैविक प्रकार के दृष्टिकोण के हिस्से के रूप में जो संदेश के दैवीय चरित्र को कम या कम नहीं करता है। भगवान ने इन व्यक्तियों को उनके व्यक्तित्व, उपहार और सोचने के तरीकों आदि के साथ इतना तैयार किया है कि वह इसे अपने शब्द की घोषणा में लेता है, लेकिन यह भगवान का शब्द ही रहता है।

एक। उदाहरण: 2 सैम 7 - डेविड और नाथन

अब मैं आपको इसके कुछ उदाहरण देता हूँ जिससे मुझे लगता है कि यह अंतर स्पष्ट हो जाएगा। पहला 2 शमूएल 7 में है जिसमें डेविड और नाथन भविष्यवक्ता के बीच

कुछ बातचीत है। 2 शमूएल 7:1 में, आप पढ़ते हैं, "जब राजा अपने महल में बस गया और यहोवा ने उसे उसके चारों ओर के सभी शत्रुओं से विश्राम दिया, तब उसने नाथन भविष्यवक्ता से कहा, 'मैं यहाँ एक महल में रह रहा हूँ।' " देवदार, जबकि परमेश्वर का सन्दूक तम्बू में रहता है।' नाथन ने राजा को उत्तर दिया, 'तुम्हारे मन में जो कुछ भी है, आगे बढ़ो और करो, क्योंकि प्रभु तुम्हारे साथ है।'" अपने आप को नाथन के स्थान पर रखो। डेविड आपके पास आता है और कहता है कि मैं जहाज़ के लिए एक मंदिर बनाना चाहता हूँ। आप आपत्ति क्यों करेंगे? यह प्रभु का सम्मान करने की एक नेक इच्छा है। लेकिन मुझे लगता है कि यहां खतरा भगवान की इच्छा को हमारे अच्छे विचारों या नेक इच्छाओं से जोड़ने में है।

और आप आगे क्या पढ़ेंगे? "उस रात, यहोवा का सन्देश नाथन के पास पहुँचा, 'जाओ और मेरे सेवक दाऊद से कहो, यहोवा यही कहता है।'" अब आपके पास नाथन के विचार नहीं हैं, लेकिन आपके पास प्रभु का वचन है। "क्या आप ही हैं जो मेरे रहने के लिए घर बनवाएंगे?" मैं यह सब पढ़ने में समय नहीं लगाऊंगा क्योंकि मैं जो बिंदु कहना चाहता हूँ वह पहले ही पढ़ चुका हूँ। इसके बाद नाथन द्वारा प्रभु का संदेश दिया गया है, जो संक्षेप में कहता है, "डेविड तुम मेरे लिए घर मत बनाओ," यानी एक मंदिर; "मैं तुम्हारे लिए एक घर बनाने जा रहा हूँ" और "घर" में वंशवाद की भावना है। लेकिन जब आप इस मार्ग से गुजरते हैं तो शब्दों का एक प्रकार से खेल होता है। और यहोवा कहता है, "मेरा वचन है, मैं तेरे लिये घर बनाऊंगा। मैं तुम्हारे लिए एक राजवंश का निर्माण करूंगा. यह सदैव कायम रहेगा. तेरा पुत्र सुलैमान यहोवा का भवन बनाएगा, परन्तु तू नहीं। क्योंकि यह तुम्हारे लिये मेरी इच्छा नहीं है।"

इसलिए नाथन को डेविड के पास वापस जाना पड़ा और अपने शब्दों को सुधारना पड़ा और उन्हें दिव्य शब्द से बदलना पड़ा। फिर यह कहने के बजाय, "आगे बढ़ो और यह करो, प्रभु तुम्हारे साथ है," उसे कहना पड़ा, "नहीं, ऐसा मत करो। यह सुलैमान को करना है। यह करना आपके बस की बात नहीं है।" यहां पैगंबर के शब्द और भगवान के शब्द के बीच अंतर बिल्कुल स्पष्ट है। नाथन इस भेद के प्रति पूरी तरह से जागरूक था। इसलिए

नाथन के जीवन में इस बारे में कोई वास्तविक भ्रम नहीं है कि परमेश्वर का वचन क्या है और यह उसके अपने दृष्टिकोण से कैसे भिन्न है।

यदि आप अपना उद्धरण पृष्ठ 1 देखें, तो पहला पैराग्राफ सबसे ऊपर है। यह *कानून और भविष्यवक्ताओं* की पुस्तक से एक लेख है और 2 शमूएल 7:1-5 पर लेख है। “वह सब करो जो तुम्हारे दिल में है, नाथन यही कहता है, वह राजा को पूरी आज्ञा दी देता है। यहां भविष्यवक्ता का तात्पर्य यह है कि डेविड को जहाज के बारे में जो कुछ भी वह सोचता है, प्रतिबिंबित करता है, प्रस्तावित करता है उसे क्रियान्वित करना चाहिए। नाथन ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि यहोवा राजा के साथ है!” आप देखिए वह कहता है, “आगे बढ़ो और यह करो। प्रभु आपके साथ है!” “यह वास्तव में उनके पूरे जीवन में स्पष्ट है। नाथन के अनुसार यह मैदान उनकी योजना और उनके द्वारा दी गई सलाह को क्रियान्वित करने के लिए पर्याप्त है। वास्तव में, “यहोवा तुम्हारे साथ है, यह बिल्कुल सत्य है।” लेकिन नाथन परिणामों के बारे में गलती करता है। वह जल्द ही पता लगा लेगा... इसका मतलब यह नहीं है कि राजा के इरादों को खारिज कर दिया जाना चाहिए, क्योंकि 1 राजा 8:18 में (और यह दिलचस्प है) सुलैमान कहता है कि प्रभु ने उसके पिता डेविड से कहा: कि तुम्हारा इरादा निर्माण करने का था मकान मेरे नाम, तुमने अच्छा किया जो तुम्हारी ऐसी मंशा थी। लेकिन यह मेरी इच्छा नहीं है, लेकिन पैगम्बर को पहले ईश्वर के रहस्योद्घाटन की प्रतीक्षा करनी चाहिए थी। उनका नेक इरादा हमेशा परमेश्वर के वचन के समान नहीं था। नाथन भी इस्राएल के परमेश्वर के लिए एक मन्दिर चाहता था, यह अपने आप में गलत नहीं था। यहां गलती यह हुई कि उन्होंने एक इंसान के रूप में बात की, न कि एक पैगम्बर के रूप में, जबकि एक पैगम्बर के रूप में उनकी राय विशेष रूप से मांगी गई थी।” इसलिए मुझे लगता है कि यहां एक ऐसा मामला है जहां आप नाथन के शब्द और भगवान के शब्द के बीच स्पष्ट अंतर देखते हैं।

बी। उदाहरण: 1 सैम. 16- शमूएल द्वारा दाऊद का अभिषेक

मैंने कहा कि मैं 1 शमूएल 16 पर वापस आना चाहता हूँ। 16:1 में प्रभु ने शमूएल से

कहा, "तू कब तक शाऊल के लिये विलाप करेगा?" शाऊल का सामना करने के लिए उसके पास अपना निजी संदेश है। परन्तु फिर प्रभु कहते हैं, "मैं तुम्हें यिशै के पास भेज रहा हूँ और मैं चाहता हूँ कि तुम उसके पुत्र का अभिषेक करो।" और शमूएल, 1 शमूएल 16 में बेतलेहेम में यिशै के घर जाता है और फिर आप श्लोक 6 में देखते हैं, "जब वे पहुंचे, तो शमूएल ने एलीआब को देखा और सोचा (यहां शमूएल के विचार, उसका विचार है), "निश्चित रूप से प्रभु का अभिषिक्त यहां पहले खड़ा है भगवान।" यह उनकी राय है। लेकिन श्लोक 7 में हम पढ़ते हैं कि, "यहोवा ने शमूएल से कहा, 'उसके रूप या उसकी ऊंचाई पर विचार मत करना क्योंकि मैंने उसे अस्वीकार कर दिया है। परमेश्वर उन चीजों को नहीं देखता जिन्हें मनुष्य देखता है। मनुष्य तो बाहरी रूप को देखता है, परन्तु यहोवा हृदय को देखता है।" फिर वह कहता है, एलीआब वह नहीं है। मैंने एलीआब को अस्वीकार कर दिया है। वह अपने अन्य सभी पुत्रों को बुलाता है और फिर भी वे प्रभु की पसंद नहीं हैं। आप श्लोक 12 पर आते हैं जहाँ वे डेविड को अंदर लाते हैं और आप श्लोक 12 के उत्तरार्ध में पढ़ते हैं, "तब प्रभु ने कहा, 'उठो और उसका अभिषेक करो। वह एक ही है।" तो आप उस अंश में देख सकते हैं, सैमुअल के कुछ विचार, कुछ भावनाएँ थीं, लेकिन वह गलत था। वह नहीं जानता कि प्रभु किस उचित व्यक्ति को चुन रहा है जिसका शमूएल को अभिषेक करना है। तो आप फिर से शमूएल और परमेश्वर के वचन के बीच अंतर देखते हैं।

सी। उदाहरण: योना

मैंने एक अन्य उदाहरण के रूप में योना का भी उल्लेख किया। यदि योना नीनवे में अपना संदेश लेकर आया होता, तो वह उस पर रखे गए परमेश्वर के वचन से बिल्कुल अलग शब्द होता। क्योंकि उसके विचार प्रभु के वचन से मेल नहीं खाते थे, उसने कार्य को टालने की कोशिश की, लेकिन प्रभु ने उसे वापस बुलाया और उसने प्रभु का वचन बोला।

डी। यिर्मयाह 27-28 - यिर्मयाह और हनन्याह संघर्ष

आइए यिर्मयाह में एक और दृष्टांत पर चलते हैं। यह यिर्मयाह 27:28 में है। यह हनन्याह नाम के झूठे भविष्यवक्ता और सच्चे भविष्यवक्ता यिर्मयाह के बीच का विवाद है।

अध्याय 27 में यिर्मयाह प्रभु का एक वचन देता है, एक भविष्यसूचक वचन। मूलतः वह शब्द यह है कि यहूदा को बेबीलोन के शासक नबूकदनेस्सर की सेवा करनी है। यदि आप 27:12 में देखें तो यिर्मयाह कहता है, “मैंने यहूदा के राजा सिदकिय्याह को भी यही सन्देश दिया। मैं ने कहा, बाबुल के राजा के जूए के नीचे अपनी गर्दन झुकाओ; उसकी और उसकी प्रजा की सेवा करो, और तुम जीवित रहोगे। तुम और तुम्हारी प्रजा उस तलवार, भूख और महामारी से क्यों मरोगे जिसके द्वारा यहोवा ने उन जातियों को डराया है जो बाबुल के राजा की सेवा न करेंगी?” यहूदा समेत इन जातियों के लिए परमेश्वर की इच्छा है कि वे बाबुल के राजा की सेवा करें।

ठीक है, फिर वह पद 14 में कहता है, “उन भविष्यद्वक्ताओं की बातें मत सुनो जो तुम से कहते हैं, 'तू बाबुल के राजा के आधीन न होगा,' क्योंकि वे तुझ से झूठ भविष्यद्वक्ताणी करते हैं। यहोवा की यह वाणी है, 'उन्हें मैं ने नहीं भेजा है।' वे मेरे नाम पर झूठ की भविष्यवाणी कर रहे हैं। इसलिए, मैं तुम्हें निकाल दूँगा और तुम और वे भविष्यद्वक्ता जो तुमसे भविष्यवाणी करते हैं, दोनों नष्ट हो जाएँगे।' तब मैंने याजकों और इन सभी लोगों से कहा, 'यहोवा यही कहता है:' - और यहां प्रभु का संदेश है - "उन भविष्यद्वक्ताओं की बात मत सुनो जो कहते हैं, 'अब बहुत जल्द प्रभु के घर से लेख आएंगे बेबीलोन से वापस लाया गया।' वे आपसे झूठ की भविष्यवाणी कर रहे हैं। उनकी मत सुनो। बाबुल के राजा की सेवा करो, और तुम जीवित रहोगे। यह शहर खंडहर क्यों बने? यदि वे भविष्यद्वक्ता हैं, और उनके पास यहोवा का वचन है, तो सर्वशक्तिमान यहोवा से बिनती करें, कि यहोवा के भवन में, यहूदा के राजा के भवन में और यरूशलेम में जो सामान बचा है, उसे बेबीलोन न ले जाया जाए। क्योंकि सर्वशक्तिमान यहोवा यही कहता है।” वह यिर्मयाह का संदेश है. यह प्रभु का वचन है.

आप अध्याय 28 में आते हैं और आप एक झूठे भविष्यद्वक्ता के बारे में पढ़ते हैं जो आता है और कहता है कि उन्हें यिर्मयाह जो कहता है उसे नहीं सुनना चाहिए। “उसी वर्ष के पांचवें महीने में, अर्थात् यहूदा के राजा सिदकिय्याह के राज्य के चौथे वर्ष में, अज्जूर के पुत्र हनन्याह भविष्यद्वक्ता ने, जो गिबोन का या, यहोवा के भवन में मेरे साम्हने मुझ से कहा।

याजकों और सब लोगों ने कहा, सर्वशक्तिमान यहोवा, इस्राएल का परमेश्वर यों कहता है, मैं बेबीलोन के राजा का जूआ तोड़ डालूंगा। दो वर्ष के अन्दर मैं यहोवा के भवन की वे सारी वस्तुएँ इस स्थान में फिर ले आऊंगा, जिन्हें बाबुल का राजा नबूकदनेस्सर यहां से हटाकर बाबुल को ले गया था। मैं यहूदा के राजा यहोयाकीम के पुत्र यहोयाकीन को भी इस स्थान पर लौटा लाऊंगा।" यदि आप उस श्लोक 2 और 3 की तुलना कार्यवाही अध्याय के श्लोक 16 से करते हैं तो आप देखेंगे कि यह बिल्कुल विपरीत है। जैसा कि 27:16 में यिर्मयाह कहता है, "उन भविष्यवक्ताओं की बात मत सुनो जो कहते हैं, 'अब बहुत जल्द यहोवा के भवन की वस्तुएं बेबीलोन से वापस लायी जाएंगी।' वे झूठ की भविष्यवाणी कर रहे हैं।" हनन्याह का कहना है कि उसे लगता है कि परमेश्वर उन सभी वस्तुओं को वापस लाएगा, "यहूदा के राजा यहोयाकीन और यहूदा से बाबुल गए अन्य सभी बंधुओं को," यहोवा की यही वाणी है, 'क्योंकि मैं बाबुल के राजा का जूआ तोड़ डालूंगा।' खैर हनन्याह का वह संदेश यिर्मयाह के संदेश का विरोधाभासी था।

अध्याय 28 श्लोक 5 से 11 में, यिर्मयाह के पास वास्तव में कोई प्रतिक्रिया नहीं है। देखिये पद 5-11 में वह क्या कहता है। "तब यिर्मयाह भविष्यद्वक्ता ने याजकों और यहोवा के भवन में खड़े हुए सब लोगों के सामने भविष्यद्वक्ता हनन्याह को उत्तर दिया। उन्होंने कहा, 'आमीन! प्रभु ऐसा करें!' दूसरे शब्दों में, मुझे लगता है कि इस बिंदु पर, वह जो कह रहा है वह है "हनन्याह, मुझे आशा है कि आप सही हैं। मैं आशा करता हूं कि हम नबूकदनेस्सर से छुड़ाए जाएंगे और यहोवा के मन्दिर की वस्तुएं वापस लौटा दी जाएंगी। वह कहते हैं, "प्रभु अपने भवन की वस्तुओं और सभी बंधुओं को बेबीलोन से इस स्थान पर वापस लाकर आपके द्वारा की गई भविष्यवाणी को पूरा करें।" इसलिए मुझे आशा है कि आप सही हैं। "फिर भी, सुनो कि मुझे तुम्हारे और सब लोगों के सामने क्या कहना है: प्राचीन काल से ही तुम्हारे और मेरे पहले के भविष्यवक्ताओं ने अनेक देशों और बड़े राज्यों के विरुद्ध युद्ध, विपत्ति और महामारी की भविष्यद्वानी की है। लेकिन जो भविष्यवक्ता शांति की भविष्यवाणी करता है, उसे वास्तव में प्रभु द्वारा भेजा गया व्यक्ति माना जाएगा" - कैसे? - "केवल तभी जब उसकी भविष्यवाणी सच हो।" दूसरे शब्दों में, आप जो कह रहे हैं वह न्याय के उन

संदेशों के विपरीत है जो भविष्यवक्ता घोषित करते रहे हैं। तो वह कहते हैं, ठीक है, मुझे आशा है कि आप सही हैं, लेकिन हमें देखना होगा कि क्या होता है और केवल अगर यह सच होता है तो हम इसे प्रभु के संदेश के रूप में पहचान सकते हैं। “तब भविष्यवक्ता हनन्याह ने यिर्मयाह भविष्यवक्ता की गर्दन से जूआ उतारकर तोड़ दिया।” यिर्मयाह स्वयं जूआ पहनकर बेबीलोन की बन्धुवाई के जूए का प्रतीक बन रहा था। “और उस ने [हनन्याह] ने सब लोगों के साम्हने कहा, ‘यहोवा यों कहता है: इसी प्रकार मैं दो वर्ष के भीतर बाबुल के राजा नबूकदनेस्सर का जूआ सब जातियों की गर्दन पर से तोड़ डालूंगा।’ वहाँ संदेशों की पलैश है. फिर आप क्या पढ़ते हैं? इस समय भविष्यवक्ता यिर्मयाह अपने मार्ग पर चला गया। तो वह कहता है मुझे आशा है कि आप सही हैं। मुझे नहीं लगता कि आप हैं. हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा. वह मूलतः यही कहता है।

लेकिन फिर श्लोक 12 से 16 में क्या होता है? यहीं पर भेद पाया जाता है।

“भविष्यवक्ता हनन्याह के कुछ ही समय बाद” - श्लोक 12 - “भविष्यवक्ता यिर्मयाह की गर्दन से जूआ तोड़ दिया था” - कुछ हुआ - “यहोवा का वचन यिर्मयाह के पास आया” और प्रभु का वचन क्या है ? – यहोवा कहता है, “जाओ और हनन्याह से कहो, ‘यहोवा यों कहता है: तू ने लकड़ी का जूआ तोड़ दिया है, परन्तु उसके स्थान पर तुझे लोहे का जूआ मिलेगा।’ इस्राएल का परमेश्वर, सर्वशक्तिमान यहोवा यों कहता है, मैं उन सब जातियोंकी गर्दनोंपर लोहे का जूआ डालूंगा, कि वे बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर के आधीन रहें, और वे उसकी अधीनता करेंगे, और मैं उसको अधिकार भी दे दूंगा। जंगली जानवर।” तब भविष्यवक्ता यिर्मयाह ने हनन्याह भविष्यवक्ता से कहा, “सुनो, हनन्याह! यहोवा ने तुझे नहीं भेजा, तौभी तू ने इस जाति को झूठ पर भरोसा रखने को उभारा है। इसलिये यहोवा यों कहता है, मैं तुम को पृथ्वी पर से उठा लेने पर हूँ। इसी वर्ष तुम मरने वाले हो,” - क्यों? – “क्योंकि तुमने प्रभु के विरुद्ध विद्रोह का प्रचार किया है।” उसी वर्ष के सातवें महीने में हनन्याह भविष्यवक्ता की मृत्यु हो गई।” अब यह सातवाँ महीना था, लेकिन श्लोक एक में उल्लेख है कि यह उस वर्ष का पाँचवाँ महीना था जब उसने यह संदेश दिया था। दूसरे शब्दों में, दो महीने बाद वह मर गया। लेकिन आप देखिए, यहाँ एक झूठा भविष्यवक्ता है। यिर्मयाह को यहोवा का वचन

मिला, और झूठा भविष्यवक्ता आकर उलटा सन्देश देता है। यिर्मयाह की प्रतिक्रिया है, मुझे नहीं लगता कि आप सही हैं। मुझे आशा है कि आप हैं लेकिन मुझे नहीं लगता कि आप हैं। लेकिन हमें देखना होगा। तब यहोवा का वचन यिर्मयाह के पास आया और उसके पास एक नया सन्देश, एक नया वचन था। यह बहुत सटीक है। यह हनन्याह की झूठी भविष्यवक्ता के रूप में निंदा करता है और कहता है, "मैंने सुना है कि तुम मरने वाले हो," और दो महीने में वह मर गया। इसलिए मुझे लगता है कि आप फिर से यिर्मयाह के शब्द और उसकी प्रारंभिक प्रतिक्रिया के बीच अंतर देख सकते हैं।

पैगम्बर ईश्वरीय और पवित्र लोग थे जो किसी भी अन्य इंसान की तरह एक निश्चित राय रखते थे और उसे व्यक्त करते थे, लेकिन यह प्रभु का शब्द नहीं था, यह सिर्फ एक राय थी। अब, यिर्मयाह में अन्य स्थानों पर सच्चे और झूठे भविष्यवक्ताओं के बारे में टिप्पणियाँ हैं और हम व्यवस्थाविवरण 18 में भविष्यवक्ताओं के कानून पर वापस जा रहे हैं जो उन भविष्यवक्ताओं के बारे में बात करता है जो प्रभु का वचन नहीं बोल रहे थे, वे कैसे थे उनके बीच अंतर करना। वे दोनों भविष्यवक्ता होने का दावा करते हैं और वे दोनों लोगों के पास आते हैं और कहते हैं, "यहोवा यों कहता है"। वे ऐसा करने का दावा करते हैं, इसलिए ऐसा लगता है कि यह लोगों पर निर्भर है कि वे कौन सा सच्चा भविष्यवक्ता था और कौन सा झूठा भविष्यवक्ता था।

इ। उदाहरण: 1 राजा 13 पुराने पैगंबर और यहूदा से आए परमेश्वर के आदमी

1 राजा 13, बेथेल के पुराने भविष्यवक्ता की कहानी है। आप शायद इस कहानी से परिचित हैं। यहूदा से परमेश्वर का यह जन बेतेल तक जाता है, बहुत कुछ यारोबाम द्वितीय के विरुद्ध आमोस की तरह, और यहूदा से यह अनाम भविष्यवक्ता यारोबाम प्रथम को उस वेदी के बारे में संदेश सुनाता है जो राज्य के विभाजन के बाद बेतेल में बनाई गई थी। पद 2 में आप देखिये, यहूदा में से परमेश्वर के इस जन ने यहोवा के वचन के द्वारा वेदी के साम्हने चिल्लाकर कहा, हे वेदी, वेदी! यहोवा यों कहता है, कि दाऊद के घराने में योशियाह नाम का एक पुत्र उत्पन्न होगा। वह ऊंचे स्थानों के याजकों को, जो अब यहां बलि चढ़ाते हैं, तुझ

पर बलि चढ़ाएगा, और मनुष्य की हड्डियां तुझ पर जलायी जाएंगी।" उसी दिन परमेश्वर के जन ने एक चिन्ह दिया, "यह वह चिन्ह है जो यहोवा ने कहा है, कि वेदी फट जाएगी, और उस पर की राख फैल जाएगी।" जब राजा ने इस संदेश के बारे में सुना तो आप पद 4 में देख सकते हैं, "उसने वेदी पर से अपना हाथ बढ़ाया और कहा, 'उसे पकड़ लो!' परन्तु जो हाथ उस ने उस मनुष्य की ओर बढ़ाया वह सिकुड़ गया, यहां तक कि वह उसे वापस खींच न सका। और वेदी टुकड़े-टुकड़े हो गई, और उसकी राख फैल गई।" इसलिए पद 6 में राजा, यारोबाम, परमेश्वर के भक्त से कहता है, "अपने परमेश्वर यहोवा से विनती कर, और मेरे लिये प्रार्थना कर, कि मेरा हाथ फिर से ठीक हो जाए।" तब परमेश्वर के भक्त ने यहोवा से विनती की, और राजा का हाथ फिर ज्यों का त्यों हो गया।

राजा ने परमेश्वर के भक्त से कहा, 'मेरे साथ घर आओ और कुछ खाओ, और मैं तुम्हें एक उपहार दूंगा।' परन्तु यहूदा में से परमेश्वर के भक्त ने राजा को उत्तर दिया, यदि तू मुझे अपनी सम्पत्ति का आधा भी दे, तौभी मैं तेरे संग न चलूंगा, और न यहां रोटी खाऊंगा, और न पानी पीऊंगा। - क्यों? - "क्योंकि मुझे प्रभु के वचन द्वारा आज्ञा दी गई थी: 'तुम्हें रोटी नहीं खानी चाहिए या पानी नहीं पीना चाहिए या जिस रास्ते से तुम आए हो उसी रास्ते से लौटना नहीं चाहिए।'" जहां उन्हें वहां जाने पर निर्देश मिले थे: रोटी मत खाना . पानी न पियें. "इसलिए उसने दूसरा रास्ता अपनाया और जिस रास्ते से वह बेतेल आया था, उस रास्ते से नहीं लौटा।"

लेकिन जैसे-जैसे वह आगे बढ़ता है, उसकी मुलाकात इस बूढ़े भविष्यवक्ता से होती है। श्लोक 18 में यह बूढ़ा भविष्यवक्ता कहता है, "मैं भी तेरे समान भविष्यवक्ता हूं। और एक स्वर्गदूत ने प्रभु के वचन के द्वारा मुझ से कहा, 'उसे अपने साथ अपने घर वापस ले आ कि वह रोटी खाए और पीए पानी।' लेकिन हम देखते हैं कि इस कथा के लेखक ने मूल कथन लिखा है - "क्योंकि वह उससे झूठ बोल रहा था। इसलिये परमेश्वर का जन उसके साथ लौट आया, और उसके घर में खाया पिया।" वह जानता था कि प्रभु का वचन क्या था; प्रभु का वचन विशिष्ट था. उन्होंने प्रार्थना की. वह शुरू में उस शब्द का आज्ञाकारी था.

अब जब यह बूढ़ा भविष्यवक्ता आता है, तो वह मान जाता है और वह अंदर जाता है

और उसके साथ भोजन करता है। श्लोक 20 कहता है, "जब वह मेज पर बैठा था," क्या हुआ? "प्रभु का वचन बूढ़े भविष्यवक्ता के पास पहुँचा। उस ने परमेश्वर के उस जन से जो यहूदा से आया था, चिल्लाकर कहा, यहोवा यों कहता है, तुम ने यहोवा के वचन की अवहेलना की है, और जो आज्ञा तुम्हारे परमेश्वर यहोवा ने तुम्हें दी थी उसका पालन नहीं किया। तुम ने लौटकर उस स्थान में रोटी खाई, और पानी पिया, जहां उस ने तुम से कहा था, कि न खाना, न पीना। इसलिये तुम्हारा शरीर तुम्हारे पुरखाओं की कब्र में दफनाया न जाएगा।"

और यदि आप अध्याय में आगे पढ़ते हैं, तो आप निश्चित रूप से उस पुराने भविष्यवक्ता के भगवान के शब्द और उसके स्वयं के शब्द के बीच अंतर देख सकते हैं। उनका शब्द झूठ बोलने वाला शब्द था। वह अपने वचन और प्रभु के वचन के बीच अंतर जानता था।

एफ। निष्कर्ष

तो मैं जो कहना चाह रहा हूँ वह यह है कि भविष्यवक्ता के मन और विवेक में, भविष्यवक्ता को पता होता है कि वह कब प्रभु का वचन बोल रहा था और कब वह अपने शब्द बोल रहा था। वहां एक स्पष्ट अंतर है। इसलिए यह कहना कि भविष्यवक्ताओं ने अपना वचन परमेश्वर के वचन के रूप में कहा, मुझे लगता है कि यह उस डेटा के साथ विरोधाभास है जो हमें पवित्रशास्त्र में इस बात के तरीके से मिलता है कि यह कैसे काम करता है। उस भविष्यवक्ता के मन में एक स्पष्ट सीमांकन या अंतर की रेखा है जिसने पवित्रशास्त्र में अपने शब्दों को गढ़ा है।

D. इस्राएल के पैगम्बरों की घटना उतनी ही पुरानी है जितनी कि इस्राएल का इतिहास

1. इस्राएल का इतिहास और पैगम्बरों का इतिहास एक साथ व्यापक हैं

चलिए डी की ओर बढ़ते हैं। "इज़राइल के भविष्यवक्ताओं की घटना उतनी ही पुरानी है जितनी कि इज़राइल का इतिहास।"

एक। पुराने पैगम्बर

मैं इस बिंदु पर यह कहने के अलावा और कुछ नहीं करने जा रहा हूँ कि इज़राइल का इतिहास और भविष्यवक्ताओं का इतिहास काफी व्यापक है। यिर्मयाह 7:25, मुझे लगता है कि हम पहले ही पढ़ चुके हैं, कहता है, "जब से तुम्हारे पुरखा मिस्र से निकले, तब से अब तक मैं ने बारंबार अपने दास तुम्हारे पास भेजे।" जिस समय आपने मिस्र छोड़ा वह यिर्मयाह के समय तक मूसा का समय था, यिर्मयाह 586 ईसा पूर्व बेबीलोन के निर्वासन से ठीक पहले था, लेकिन मूसा से भी पहले, उत्पत्ति 9:25-27 में नूह को एक भविष्यवक्ता कहा गया है और इब्राहीम को एक भविष्यवक्ता कहा गया है। उत्पत्ति 20:7 में। इसलिए पितृसत्तात्मक काल से पहले भी पैगम्बर हुए हैं।

बी। भविष्यवक्ताओं

पुरुष भविष्यवक्ताओं के अलावा , इज़राइल में भी भविष्यवक्ताएँ, यानी महिला भविष्यवक्ताएँ थीं। ये संदर्भ कम हैं, और कुछ मामलों में यह पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है कि क्या मतलब है। निर्गमन 15:20 में मूसा की बहन मरियम को भविष्यवक्ता कहा गया है। वास्तव में वह वहाँ क्या कर रही है यह इतना स्पष्ट नहीं है। आपने पढ़ा, "तब मिरियम, भविष्यवक्ता, हारून की बहन, ने अपने हाथ में डफ लिया, और सभी स्त्रियाँ डफ लेकर नाचती हुई उसके पीछे हो लीं। मरियम ने उनके लिये यह गीत गाया, 'यहोवा का भजन गाओ, क्योंकि वह बहुत महान है। घोड़े और उसके सवार को उसने समुद्र में फेंक दिया है।" अब यहां संदर्भ कह रहा है, वह संगीत के साथ भगवान की स्तुति कर रही है। और प्रश्न यह है कि 'भविष्यवक्ता' शब्द का अर्थ क्या है? क्या ऐसा है कि वह उस पूजा का नेतृत्व कर रही थी जो चल रही थी या मरियम प्रभु का वचन बोल रही थी? मैं उस पर बाद में वापस आऊंगा। लेकिन वह एक भविष्यवक्ता के रूप में सामने आती है।

न्यायियों 4:4 में दबोरा एक भविष्यवक्ता है। "डेबोरा, एक भविष्यवक्ता, लैपिडोथ की

पत्नी, उस समय इज़राइल का नेतृत्व कर रही थी।" वह एक जज भी हैं।

2 राजा 22:14 में हुल्दा को भविष्यवक्ता कहा गया है। यह मंदिर की कानून की किताब की खोज का समय था जब योशियाह राजा था, जब कानून की किताब पाई गई थी, जैसा कि आपने श्लोक 14 में पढ़ा था, "हिल्कियाह याजक, अहीकाम, अकबोर, शापान और असायाह गए थे।" भविष्यवक्ता हुल्दा से बात करो, जो तिकवा के पुत्र शल्लूम की पत्नी थी, जो अलमारी के रखवाले हरहास का पोता था। वह दूसरे जिले में यरूशलेम में रहती थी। उसने उनसे कहा, 'यहोवा, इस्राएल का परमेश्वर, यही कहता है।'" और संदेश यह है; प्रभु का एक वचन. यशायाह की पत्नी भी एक भविष्यवक्ता थी। यशायाह 8:3 में, यशायाह कहता है, "तब मैं भविष्यवक्ता के पास गया, और वह गर्भवती हुई और उसने एक पुत्र को जन्म दिया," वह माहेर-शालाल-हाश-बाज़ है। सवाल यह है कि क्या यशायाह की पत्नी एक भविष्यवक्ता है क्योंकि वह एक भविष्यवक्ता की पत्नी है या क्योंकि उसने भविष्यसूचक कार्य किए हैं? यह स्पष्ट नहीं है। तो बस एक टिप्पणी, भविष्यवक्ताओं के ये उदाहरण हैं।

सी। पैगम्बरों की कम्पनियाँ

व्यक्तिगत पैगम्बरों के अलावा, पैगम्बरों के समूहों या कंपनियों का भी उल्लेख मिलता है। ऐसे सन्दर्भ असंख्य नहीं थे, लेकिन हम उन्हें विभिन्न स्थानों पर पाते हैं, विशेष रूप से सैमुअल और किंग्स में। मैं उनमें से कुछ सन्दर्भों को आपके साथ देखना चाहता हूँ।

1.1 सैम. 10 - शाऊल और भविष्यवक्ताओं की संगति

पहला 1 शमूएल 10:5-6 है। यह शाऊल को राजा के रूप में चुनने की प्रक्रिया में होता है। शाऊल अपने पिता के पशुओं की खोज में था, और वह जानकारी लेने के लिए शमूएल के पास गया और यहोवा ने शमूएल से कहा, "जो पुरुष तेरे पास आएगा वही मैं ने राजा के लिये चुना है, तू उसका अभिषेक करना। उसे सभी लोगों का राजा बनना है।" तो सैमुअल ऐसा करता है। फिर 10:1 में आपने 1 शमूएल की पुस्तक पढ़ी "प्रभु ने तेरा अभिषेक किया।" लेकिन आगे अध्याय 10 में शमूएल शाऊल को बताता है कि इस समय कुछ चीजें घटित होने वाली हैं क्योंकि प्रभु ने उसे राजा बनने के लिए चुना है। पद 5 में तुम

पढ़ते हो, “उसके बाद तुम परमेश्वर के गिबा को जाओगे, जहां पलिशितियों की एक चौकी है। जैसे ही आप शहर के पास पहुंचेंगे, आपको नबियों का एक जुलूस मिलेगा। वहां हिब्रू शब्द है जिसका अनुवाद एनआईवी पैगम्बरों के “जुलूस” के रूप में करता है। वास्तव में इसका अर्थ है “एक कंपनी” या “भविष्यवक्ताओं का एक समूह”। इसलिए “तुम्हें भविष्यवक्ताओं का एक दल उच्च न्यायालय से आता मिलेगा, जिसके आगे वीणा, डफ, बांसुरी और वीणा बजाई जाएंगी, और वे भविष्यवाणी करेंगे।” तो यहाँ भविष्यवक्ताओं की एक कंपनी भविष्यवाणी कर रही है। “प्रभु की आत्मा शक्ति के साथ तुम पर आएगी और तुम उनके साथ भविष्यवाणी करोगे और तुम एक अलग व्यक्ति में बदल जाओगे। जब ये चिन्ह पूरे हो जाएं, तो जो कुछ करने को मिले वही करो, क्योंकि परमेश्वर तुम्हारे साथ है।” तो इनमें से कई संकेत थे। यह उनमें से आखिरी था। आपने पढ़ा कि यह इसी तरह काम करता है। आप आयत 9 में पढ़ते हैं, “शाऊल शमूएल को छोड़ने के लिए मुड़ा और परमेश्वर ने शाऊल का हृदय बदल दिया और ये सभी चिन्ह उस दिन पूरे हुए। जब वे गिबा में पहुंचे, तो नबियों का एक जुलूस उनसे मिला। परमेश्वर का आत्मा उन पर सामर्थ से उतरा और उनके साथ भविष्यवाणी करने लगा।” तो यहाँ एक जुलूस या भविष्यवाणी करने वाले भविष्यवक्ताओं के एक समूह का संदर्भ दिया गया है।

अब इस बिंदु पर - हम इस पर बाद में वापस आएंगे - लेकिन इस बिंदु पर मैं “भविष्यवाणी” शब्द के संबंध में यहां क्या हो रहा है, इसके बारे में एक संक्षिप्त टिप्पणी करना चाहता हूँ। ये पैगम्बर क्या थे, पैगम्बरों की ये टोली, ये पैगम्बर क्या कर रहे थे? *नाबा*, “भविष्यवाणी” क्रिया के लिए शब्द, के विभिन्न अर्थ हैं। आम तौर पर हम कहेंगे कि वह आदमी पैगम्बर, *नबी था*, या वह आदमी जिसने कुछ समय पहले भविष्यवाणी की थी और वह मर गया। हम उसके बारे में ऐसे व्यक्ति के रूप में सोचते हैं जिसने प्रभु के वचन का प्रचार किया। लेकिन यदि आप उपयोग पर ध्यान दें, तो ऐसा प्रतीत होता है या यदि आपने ब्राउन, ड्राइवर और ब्रिग्स में मूल *नाबा को देखा है, तो इसका एक अर्थ है “एक परमानंद की स्थिति में भविष्यवाणी करना।”* 1 शमूएल 10:5 में, अंतिम वाक्यांश, एनआईवी कहता है, “वे भविष्यवाणी कर रहे होंगे।” एनआरएसवी का कहना है, “वे भविष्यसूचक उन्माद में

होंगे।" बर्कले अनुवाद कहता है, "वे परमानंद में होंगे।" तो आप इस प्रश्न में पड़ गए कि इस धातु *नाबा* का क्या अर्थ है, जिसका अर्थ है भगवान के शब्द को सामान्य स्थिति में बोलना या ताकि वे एक परमानंद की स्थिति में चले जाएं और उस तरह के फ्रेम में कुछ कहें या कुछ गाएं। मन की।

यदि आप अपने उद्धरणों को देखें, पृष्ठ 2, ईजे यंग ने अपनी पुस्तक *माई सर्वेट्स, द प्रोफेट्स में इस पर चर्चा की है*। वह इस 1 शमूएल 10 परिच्छेद के बारे में बात कर रहा है। उन्होंने कहा, "आपको ध्यान देने में बहुत सावधानी बरतनी चाहिए, हालांकि, इस पाठ में ऐसा कोई संकेत नहीं है जो यह सुझाव दे कि भविष्यवाणी संगीत द्वारा की गई थी जैसे कि संगीत एक उत्तेजक था। नबियों के सामने संगीत वाद्ययंत्र ले जाए जाते थे। निहितार्थ यह दिया गया है कि उन्हें केवल साथ देने के लिए नियोजित किया गया था, इसलिए भविष्यवाणी करना कोई निरर्थक प्रलाप नहीं था, बल्कि संगीत की संगत के माध्यम से ईश्वर की एक भक्तिपूर्ण स्तुति थी। "यह यंग की व्याख्या है। यहां जो चल रहा था वह संगीत की संगत के माध्यम से ईश्वर की भक्तिपूर्वक स्तुति थी, जिसे " भविष्यवाणी करने के लिए" *नाबा शब्द के मौखिक रूप का उपयोग करके वर्णित किया गया है*। उनका कहना है कि, "अगर हम भविष्यवक्ताओं का वर्णन करने के लिए परमानंद शब्द का उपयोग करते हैं" - ऐसे बहुत से लोग हैं जो ऐसा करते हैं, वह इस पर टिप्पणी कर रहे हैं - "हमें इस शब्द का उपयोग सावधानी से करना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि वे परमेश्वर के सम्मोहक प्रभाव के अधीन थे, जैसा कि शाऊल से कहा गया था, क्योंकि जब वह भविष्यवक्ताओं से मिलेगा तो यहोवा की आत्मा उस पर दौड़ेगी और वह उनके साथ भविष्यवाणी करेगा। इस भविष्यवाणी की पूर्ति इस प्रकार संबंधित है - जब आत्मा उन पर दौड़ी, तो उसने उनके बीच में भविष्यवाणी की। फिर 10बी, जब तक ऐसा प्रतीत न हो कि इस विशेष उदाहरण में भविष्यवाणी करने का कार्य आत्मा के आने का परिणाम था, परमेश्वर की आत्मा भविष्यवक्ता पर आई, और परिणाम वह भविष्यवाणी थी। इसलिए परमानंद की स्थिति का स्रोत न तो संगीत की उपस्थिति में पाया जाता है, न ही स्वैच्छिक संगति में, न ही छूत में, न ही किसी स्व-लगाए गए या प्रेरित उत्तेजना में, बल्कि केवल ईश्वर की आत्मा की तीव्र गति में

पाया जाता है। 1”

तो यह परमेश्वर की आत्मा है जो शाऊल पर आ रही है जो उसे इस समूह या भविष्यवक्ताओं की मंडली में शामिल होने के लिए प्रेरित करती है, वे वही करते हैं जो वे कर रहे थे, जिसे यंग परमेश्वर की उत्साही प्रशंसा के रूप में देखता है। या जो कुछ हो रहा था उसका वर्णन करने के लिए *नाबा* इस शब्द का उपयोग करता था। फिलहाल, इस परिच्छेद पर आपका ध्यान आकर्षित करने का मेरा उद्देश्य मुख्य रूप से आपको भविष्यवक्ताओं की एक कंपनी का संदर्भ दिखाना है, किसी एक भविष्यवक्ता का नहीं, बल्कि भविष्यवक्ताओं की एक कंपनी का। हम बाद में इस बारे में अधिक बात करेंगे कि वे क्या कर रहे थे और ये कंपनियां आम तौर पर क्या करती थीं और भविष्यवाणी से जुड़ी आनंदमय घटनाओं का यह विचार क्या है, लेकिन वर्तमान में यहां 1 सैमुअल 10 में भविष्यवक्ताओं की एक कंपनी है।

2. 2 राजा 2-4 एलीशा और भविष्यवक्ताओं की मंडली, जेरिको, बेथेल...

एलीशा के समय में, आपको विभिन्न स्थानों पर भविष्यवक्ताओं की कंपनियों का उल्लेख मिलता है। 2 राजा 2:3 में, हम पढ़ते हैं, "बेतेल में भविष्यवक्ताओं का एक दल एलीशा के पास आया और पूछा, 'क्या तू जानता है कि यहोवा आज तेरे स्वामी को तुझ से छीन लेगा?'" 2 राजा 2:5 में, जेरिको में भी एक मंडली है, जेरिको में भविष्यवक्ताओं का एक समूह एलीशा के पास गया। 2 राजा 4:38 में, "एलीशा गिलगाल लौट आया और उस क्षेत्र में अकाल पड़ा। जब भविष्यवक्ताओं की मंडली उस से मिल रही थी, तब उस ने अपने सेवक से कहा, 'बड़ा बर्तन चढ़ाकर इन मनुष्यों के लिये कुछ पकाओ।' बेथेल में भविष्यवक्ताओं की मंडली के तीन संदर्भ हैं (2 राजा 2:3), जेरिको (2 राजा 2:5), और गिलगाल (2 राजा 4:38) और कुछ अन्य संदर्भ भी हैं।

3. 1 सैम. 19: शाऊल और भविष्यवाणी करने वाली कंपनियाँ

मुझे उन राजाओं के सन्दर्भों का उल्लेख पहले करना चाहिए था, सन्दर्भ 1 शमूएल 19:20 में है। यह तब हुआ जब शाऊल को अस्वीकार कर दिया गया था, उसकी जगह लेने के लिए डेविड का अभिषेक किया गया था और डेविड युद्ध में सफल हुआ था, और शाऊल

को ईर्ष्या होने लगी थी। शाऊल डेविड को मारने की कोशिश करता है और अंततः डेविड को अदालत से निकाल दिया जाता है और वह शरणार्थी बन जाता है। परन्तु शाऊल से भागते समय वह सबसे पहले शमूएल के पास जाता है। आइए पहले संदर्भ जान लें। 1 शमूएल 19:18 में, “जब दाऊद भाग गया और बच निकला, तब वह रामा में शमूएल के पास गया और उसे सब कुछ बताया जो शाऊल ने उसके साथ किया था। तब वह और शमूएल नाइओत को गए, और वहीं रहे। शाऊल के पास यह समाचार पहुंचा, कि दाऊद रामा के नाइओत में है; इसलिए उसने उसे पकड़ने के लिए आदमी भेजे। परन्तु जब उन्होंने भविष्यद्वक्ताओं के एक समूह को, और शमूएल को उनका अगुवा खड़ा करके, भविष्यद्वाणी करते देखा, तब परमेश्वर का आत्मा शाऊल के मनुष्यों पर उतर आया, और वे भी भविष्यद्वाणी करने लगे। तो यहाँ भविष्यद्वक्ताओं का एक समूह है, शमूएल उनका नेता है। वे भविष्यवाणी कर रहे हैं; वे जो कुछ भी कर रहे हैं वह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। शाऊल के ये एजेंट दाऊद को पकड़ने की कोशिश में आते हैं, और उनका क्या होता है? परमेश्वर की आत्मा उन पर आती है और वे भविष्यवाणी करने लगते हैं। फिर, इसका जो भी मतलब हो।

शाऊल को यह बता दिया गया, इसलिये उसने और आदमी भेजे और उन्होंने भी भविष्यवाणी की। शाऊल ने तीसरी बार मनुष्य भेजे। “अंत में, वह स्वयं रामा के लिए रवाना हुआ और सेकु में बड़े हौज के पास गया। और उस ने पूछा, शमूएल और दाऊद कहां हैं? उन्होंने कहा, 'रामा में नैओथ में।' इसलिये शाऊल रामा में नबायोत को गया। परन्तु परमेश्वर का आत्मा उस पर भी उतरा, और वह नबायोत तक पहुंचने तक भविष्यद्वाणी करता हुआ चलता रहा। उसने अपना वस्त्र उतार दिया और शमूएल की उपस्थिति में भविष्यवाणी की। वह पूरे दिन और पूरी रात उसी तरह पड़ा रहा। इसी कारण लोग कहते हैं, क्या शाऊल भी भविष्यद्वक्ताओं में से है?"

मैं इस पर बाद में वापस आऊंगा, लेकिन यहां मैं इस शब्द *नाबा के अर्थ पर ध्यान देना चाहता हूँ* और इस शब्द के उपयोग से किस प्रकार का असामान्य व्यवहार जुड़ा हो सकता है। यह पैगम्बर पर आने वाली परमानंद की स्थिति के संबंध का प्रश्न है जिसने उन्हें बोलने में सक्षम बनाया, यदि यही हो रहा है। मुझे लगता है कि यहां मुख्य बात स्पष्ट है कि

भगवान की आत्मा शाऊल के दूतों पर आती है और साथ ही खुद शाऊल पर भी इस तरह से आती है जो उन्हें वह करने से रोकती है जो वे करने के लिए निकले थे, जो कि डेविड को पकड़ना था, और वे ऐसा कर सकते थे ऐसा मत करो. आत्मा उन्हें ऐसा नहीं करने देगी। हालाँकि उसके सम्बन्ध में कहा गया कि वे भविष्यवाणी कर रहे थे।

ठीक है, तो हमारे पास समान चीज़ों के बहुत सारे संदर्भ हैं। वास्तव में इन बैंडों या भविष्यवक्ताओं की कंपनियों के कार्य क्या हैं, यह कभी भी स्पष्ट नहीं किया गया है। वे शमूएल, एलिय्याह और एलीशा के सहायक या शिष्य रहे होंगे। यह शमूएल, एलिय्याह और एलीशा के समय में है कि वे प्रकट होते हैं। शायद उन्हें उन समुदायों में सच्चे धर्म को बढ़ावा देने में एक पैगंबर की सहायता करने का काम सौंपा गया था जहां वे रहते थे।

4. 1 राजा 20 - भविष्यवक्ताओं की संगति का एक भविष्यवक्ता बोलता है

केवल एक ही अंश है - और वह 1 राजा 20:35-43 में है - जहां भविष्यवक्ताओं की मंडली का एक सदस्य वास्तव में दिव्य रहस्योद्घाटन का एक शब्द बोलता है। इसका केवल एक ही मामला है. शायद हमें उस पर गौर करना चाहिए. आपने 20:35 में पढ़ा, "यहोवा के वचन के द्वारा भविष्यवक्ताओं के पुत्रों में से एक ने अपने साथी से कहा, 'मुझे अपने हथियार से मार।'" अब वह वाक्यांश "भविष्यवक्ताओं के पुत्र" [बेने हनेबीम] का कभी-कभी अनुवाद किया जाता है एनआईवी में "भविष्यवक्ताओं की कंपनी" के रूप में, और कभी-कभी अधिक शाब्दिक रूप से "भविष्यवक्ताओं के पुत्र" के रूप में। और उस कंपनी का एक सदस्य कंपनी के दूसरे सदस्य से कहता है, "मुझे अपने हथियार से मारो," लेकिन उसके साथी ने फिर मना कर दिया। इसलिये भविष्यवक्ता ने कहा, "तू ने यहोवा की आज्ञा नहीं मानी, इस कारण जैसे ही तू मुझे छोड़ेगा, एक सिंह तुझे मार डालेगा।" और उस आदमी के चले जाने के बाद, एक शेर ने उसे पाया और उसे मार डाला।

भविष्यवक्ता को एक और आदमी मिला और उसने कहा, 'कृपया मुझे मारो।' इसलिये उस पुरुष ने उस पर वार करके उसे घायल कर दिया। तब भविष्यवक्ता जाकर सड़क के किनारे खड़ा होकर राजा की प्रतीक्षा करने लगा।" और राजा आता है. "जैसे ही

राजा पास से गुजरा, भविष्यवक्ता ने उसे पुकारकर कहा, “तेरा दास लड़ाई के मैदान में गया था, और कोई एक बन्दी को लेकर मेरे पास आया और बोला, ‘इस आदमी की रक्षा करो। यदि वह खो गया, तो यह तुम्हारा होगा।’ उसके प्राण के बदले प्राण दो, नहीं तो तुम्हें एक किव्वार चाँदी देनी होगी।’ जब आपका नौकर इधर-उधर व्यस्त था, वह आदमी गायब हो गया।’ इस्राएल के राजा ने कहा, ‘यह तुम्हारा वाक्य है।’ ‘तुमने स्वयं ही इसे सुनाया है।’ तब भविष्यवक्ता ने तुरंत अपनी आंखों से पट्टी हटा दी, और इस्राएल के राजा ने उसे भविष्यवक्ताओं में से एक के रूप में पहचाना। उसने राजा से कहा, “- और यहां एक मामला है जहां आपको इन कंपनियों में से एक का सदस्य एक शब्द देते हुए मिलता है प्रभु की ओर से, - “यहोवा यों कहता है:” - और यह भविष्यवक्ता अहाब से बात कर रहा है - “तू ने उस मनुष्य को स्वतंत्र कर दिया है जिसके बारे में मैंने निश्चय किया था कि वह मर जाएगा। इसलिए उसके प्राण के बदले में तुम्हारा प्राण है, उसके प्राण के बदले में तुम्हारे लोग हैं उसके लोग।’ उदास और क्रोधित होकर इस्राएल का राजा सामरिया में अपने महल को चला गया।” अब वह बेन्हदद, एक सीरियाई शासक था, जिसे अहाब ने आज्ञाद कर दिया था, और यह भविष्यवक्ता उसकी निंदा करता है। तो आपके पास भविष्यवक्ताओं की कंपनियों के सभी संदर्भों में से एक उदाहरण है जहां एक कंपनी का सदस्य वास्तव में प्रभु के वचन की घोषणा करता है . तो इन कंपनियों का कार्य क्या था? जैसा कि मैंने कहा, यह पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है।

5. पैगम्बरों की संगति का कार्य

यदि आप अपने उद्धरण पृष्ठ 1 को देखें, तो पृष्ठ के नीचे, होबार्ट फ्रीडमैन के *पुराने नियम के पैगम्बरों के परिचय में*, वह ये टिप्पणियाँ करते हैं, “फिर भविष्यवक्ताओं के पुत्रों का असली कार्य और उद्देश्य क्या था? (‘भविष्यवक्ताओं के पुत्र’ का अनुवाद ‘भविष्यवक्ताओं की कंपनी’ के रूप में किया जाता है।) इस प्रश्न का उत्तर देने के प्रयास में, उन अंशों में उनके कार्य पर ध्यान देना अच्छा होगा जहां उनका उल्लेख पवित्रशास्त्र में किया गया था। एक, उन्हें गिलगाल, बेथेल, जेरिको जैसे धार्मिक केंद्रों में एक साथ रहते हुए,

एक महान पैगंबर के सामने बैठकर चित्रित किया गया है, जहां शायद उन्हें आध्यात्मिक निर्देश दिए गए थे। मैं उस पर वापस आने वाला हूं। मुझे पूरा यकीन नहीं है कि यह इसका हिस्सा है।

"दो, इन समूहों का एक और आध्यात्मिक कार्य एक साथ भविष्यवाणी करना था," जैसा कि 1 शमूएल 10:5 और उसके बाद, जिसे हम पहले ही देख चुके हैं। "यह भविष्यवाणी क्या थी और इसने क्या रूप लिया, यह काफी अटकलों का विषय रहा है। प्रथम शमूएल 10 से प्रतीत होता है कि इसका एक भाग ईश्वर की स्तुति गा रहा था। भविष्यवक्ताओं का एक दल ऊँचे स्थान से उतर रहा था जहाँ उन्होंने किसी प्रकार के धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया था और वे संगीत वाद्ययंत्रों के साथ भविष्यवाणी कर रहे थे। 1 इतिहास 25:1-3 से स्पष्ट है कि यह भविष्यवाणी की अभिव्यक्ति का एक स्वीकृत तरीका था। एक और जगह है जहां भविष्यवाणी करना संगीत से जुड़ा है। "इस प्रकार समूह केवल व्यक्तियों के रूप में भविष्यवाणी नहीं करेंगे, बल्कि सार्वजनिक प्रशंसा और पूजा के विभिन्न स्थानों पर एक जुलूस में संयुक्त रूप से भविष्यवाणी करेंगे।" तो जिस भी तरीके से समझा जाए, एक साथ भविष्यवाणी करने का यह दूसरा उद्देश्य है।

"तीसरा, उन्होंने इज़राइल से संबंधित महत्वपूर्ण मामलों में आध्यात्मिक दूत के रूप में भी काम किया। यह तब देखा जाता है जब एलीशा ने भविष्यवक्ताओं के पुत्रों में से एक को इस्राएल के राजा येहू का अभिषेक करने के लिए भेजा और फिर जब परमेश्वर ने बेन्हदद के साथ व्यवहार में उसकी उदारता के लिए राजा अहाब को फटकार लगाने के लिए न्याय के दूसरे दूत को भेजा, "पहला जिस अनुच्छेद को हमने अभी 1 किंग्स 20 में देखा था। तो, फ्रीमैन का सुझाव है कि ये समूह एक थे, एक नेता से निर्देश प्राप्त करने वाले, जैसे सैमुअल या एलीशा, दो, सार्वजनिक प्रशंसा और पूजा के नेता, और तीन, संदेशवाहक। इसलिए मुझे यकीन नहीं है कि हम इससे अधिक कुछ कह सकते हैं। यहां तक कि उनमें से कुछ पर भी सवाल उठाया जा सकता है और हम अगले सप्ताह उसके बारे में कुछ और बात करेंगे। खास तौर पर नंबर एक. क्या भविष्यवक्ताओं की इन कंपनियों को भविष्यसूचक कार्य करने के लिए निर्देश या शिक्षा की आवश्यकता थी?

2. पैगम्बरों के पुत्र

ठीक है, नंबर दो, इन कंपनियों के सदस्यों को [*बेने हनेबीम*] कहा जाने लगा। यह वाक्यांश पुराने नियम में नौ बार आता है। ये सभी 1 राजा 20 और 2 राजा 9 के बीच हैं। यह अहाब के समय से लेकर येहू के प्रकट होने तक, या लगभग 974 से 841 ईसा पूर्व तक था। यदि आपने 2 राजा 2:3 और 5 को देखा, जिसे हम पहले ही देख चुके हैं, लेकिन आप एनआईवी पाठ में इसके बारे में जानते हैं कि हिब्रू शब्द क्या हैं। आप देखते हैं, 2 राजा 2-3 में, जहां आप पढ़ते हैं "बेथेल में भविष्यवक्ताओं की मंडली", वहां हिब्रू शब्द है, *बेने हानेबीम*, बेथेल के भविष्यवक्ताओं के पुत्र और एनआईवी ने इसका अनुवाद "भविष्यवक्ताओं की कंपनी" के रूप में किया है। मुझे लगता है कि उन्होंने ऐसा इसलिए किया ताकि अंग्रेजी के पाठक भ्रमित न हों कि इरादा क्या है। क्या ये भविष्यवक्ताओं के बच्चे, भविष्यवक्ताओं के बेटे थे, या क्या यह एक भविष्यवक्ता है और भविष्यवक्ता के बच्चे थे और ये बेथेल में भविष्यवक्ताओं के बच्चे हैं जो एलीशा के पास आकर पूछते हैं? इसलिए लगातार, हालांकि हमेशा नहीं, एनआईवी " *बेने हनेबिइम* " का अनुवाद "भविष्यवक्ताओं के पुत्रों" के बजाय "भविष्यवक्ताओं की कंपनी" के रूप में करता है। 2 राजा 2:3, 2:5, 2:7, 2:15, 4:1, 4:38, 5:22, 6:1 में, एनआईवी के पास "भविष्यवक्ताओं की संगति" है और हर मामले में यह "पुत्र" हैं भविष्यवक्ताओं का" हिब्रू में।

एक। "बेटा" (बेन) आदि शब्द के विभिन्न अर्थ।

अब बाइबिल के उपयोग में, शब्द "बेटा" का अर्थ एक नर बच्चा भी हो सकता है, बेशक, आमतौर पर इसका उपयोग इसी तरह किया जाता है। इसका अर्थ "वंशज" हो सकता है। वहां सेमेटिक उपयोग, हालांकि यह हिब्रू नहीं है, मैथ्यू 1:1 में देखा जा सकता है, "यीशु मसीह डेविड का पुत्र" - "पुत्र" "वंशज" के अर्थ में। लेकिन इसका अर्थ "समूह का सदस्य" भी हो सकता है। मुझे लगता है कि यह शब्द उस तीसरे अर्थ में है, "एक समूह का सदस्य," इस अभिव्यक्ति में शब्द का उपयोग किया जाता है, "भविष्यवक्ताओं के पुत्र।" भविष्यवक्ताओं की मंडली के सदस्य के रूप में ही उन्हें भविष्यवक्ताओं के पुत्र कहा जाता

है। इसका मतलब उपदेशक के बच्चों या पैगम्बर के बच्चों जैसा कुछ नहीं है।

अब मैं देख रहा हूँ कि मेरा समय समाप्त हो गया है। मैं " बेन" या "बेटा" का उपयोग करने के तरीके के कुछ उदाहरण देखना चाहता हूँ जहाँ इसका उपयोग स्पष्ट रूप से बच्चों के अर्थ में नहीं, बल्कि "समूह के सदस्य" के अर्थ में किया जाता है। तो हम इस बिंदु पर रुकेंगे और वहाँ से उठाएंगे और अगले सप्ताह आगे बढ़ेंगे।

प्रतिलेखित: मिरांडा मैकिनॉन,
आरंभिक संपादन टेड हिल्डेब्रांट द्वारा
केटी एल्स द्वारा अंतिम संपादन,
टेड हिल्डेब्रांट द्वारा पुनः सुनाया गया